

FORM No. III  
**फर्द अहकाम**  
 (नियम 26)

#2019/00499

अदालत: उपरवादी अदालत मुकाम: वपान  
 किरत मुकदमा: जि.बि.ए. लाल वनाम: तहसीलदार वपान सन: 31/11  
प्र. 136 URAut

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकम की तामीज में  
जारी हुए

28/11/19 प्रामिना प्र. 136 URAut इस अदालत  
 में तहसीलदार वपान के डिपॉजिट  
 व मोडि की डिपॉजिट (प्रामिना प्र. 136 URAut)  
 हेतु जिला जज पत्रावली - दिनांक  
 30/11/19 को पेश है।

30/11/19 प्र. 136 URAut इस अदालत वपान की डिपॉजिट  
 प्रामिना प्र. 136 URAut इस अदालत वपान प्र. 136  
 दिनांक 10/11/19 को पेश है।

10/11/19 प्र. 136 URAut इस अदालत प्रामिना प्र. 136 URAut  
 दिनांक 6/3/20 को पेश है।

6/3/20 प्र. 136 URAut इस अदालत वपान की डिपॉजिट  
 प्रामिना प्र. 136 URAut इस अदालत पत्रावली दिनांक  
 20/5/20 को पेश है।

20/5/20 पत्रावली दिनांक 14/8/20 को पेश है  
 प्रामिना प्र. 136 URAut इस अदालत

25/11/20

पीठासीन अधिकारी .....

पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 16/3/21 को पेश हो

  
रीडर

एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना

सीआर काफ़ी

16/3/21

पीठासीन अधिकारी .....

पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 28/6/21 को पेश हो

  
रीडर

एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना

सीआर काफ़ी

28/6/21

पीठासीन अधिकारी .....

पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 21/9/21 को पेश हो

  
रीडर

एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना

सीआर काफ़ी

21/9/21

पीठासीन अधिकारी .....

पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 23/12/21 को पेश हो

  
रीडर

एस0डी0ओ0/एस0डी0एम0 बयाना

23/12/21

प्रमाण पेश हुआ। एडकोडिड प्रामाणिकता  
वैधता काफ़ी बयाना की-टिपोंडी प्रामाणिकता  
द्वारा यह प्रामाणिकता प्राप्त 136 UR. अंत में नष्ट  
पेश कर निपेदन दिनांक 23/12/21 को अगली खसरा



तारीख  
हुक्म

जमाना

सावित्र २००० का १२३०० १वीं १० विस्वा, नवीन २००० का  
 ५० (का) ०.३२ है सावित्र २००० का ४२३०० १वीं १  
 १७ विस्वा, नवीन २००० का ५१ (का) ०.४४ है सावित्र-  
 २००० का १२३०० ११ विस्वा, सावित्र २००० का १३ (का)  
 ५वीं ११ विस्वा, नवीन २००० का १३९ (का) ०.१६ है  
 १५१ (का) ०.१५, सावित्र २००० का १३७ (का) १२वीं १  
 १५ विस्वा, नवीन २००० का १५२ (का) ०.३३ है  
 २००० का १५३ (का) ०.२५, १५५ (का) ०.२५, सावित्र  
 २००० का १३४ (का), १५० (का) ३वीं ५ विस्वा,  
 नवीन २००० का १५५ (का) ०.२३ है २५२ सावित्र  
 २००० का १५०, ~~सावित्र~~ २००० का १५६ (का) ०.३५ है  
 १५५ (का) ०.०२, १५६ (का) ०.०४, १५७ (का)  
 ०.१४ है। सावित्र २००० का १५३९ (का) १वीं १  
 १५ विस्वा, नवीन २००० का १५४ (का) ०.०५, १६३  
 (का) ०.५०, १६५ (का) ०.१६, १६५ (का) ०.०५,  
 सावित्र २००० का १५५ (का) ३वीं १५ विस्वा,  
 नवीन २००० का १००२ (का) ०.०१ है, १००३ (का)  
 ०.०७ है १००५ (का) ०.०३ है सावित्र २००० का २  
 २१६ (का) १५ विस्वा कुल बीटा २४ कुल २२०  
 १५३९ है, सावित्र २००० का २२० कुल बीटा १५ कुल  
 २२० का ५५वीं १३ विस्वा बनाए गए है।

शु-प्रमाण विभाग द्वारा जमाना २००५-०६  
 के खाता हिसाब ५४ वषार सत्रय हारे प्रिया का।  
 नाम रखे के स्थान पर यशरान् सावित्र का प्रिया  
 है। अतः से प्रार्थना के वर्तमान जमाना-  
 में प्रार्थना के प्रिया यशरान् के स्थान पर  
 रखे कुल डिफेंस का निवेदन किया है।  
 प्रमाण ५४ २१६२२ का रखीवदार  
 बराना से रिपोर्ट व सत्रे के की रिपोर्ट-  
 वाली गई। रखीवदार बराना ने प्रमाण

उपरोक्त अधिका  
 बराना (प्रमाण)

तारीख  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नया व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तारीख  
में जारी हुए

11/11/2021

गांव के लगे अभियान 2021 ब्रिडिज (Water supply)  
नी में अपने पत्रांक | 356 डिपॉजिट 9/11/2021 की  
रिपोर्ट प्रस्तुत कर अधिकार किया है कि उक्त  
वाले रकसरा नखान में प्राकृति का अंगा  
कारण है। राधेश कुमार, जिधारी लाल पिछरा  
यादलाल जाति सहजग काशी निवासी मुख्यामी  
नाम का कोई स्वार्थ नहीं है। जिधारी व  
राधेश कुमार के पिता का लगे नाम राधेश है।  
प्राकृति के पिता यादलाल के ल्याग पर राधेश  
दर का उक्ति है। अपनी रिपोर्ट में अंकित  
किया है।

हमने विधान अभिभाषक एडवोकेट प्रामो  
की सुना। विधान अभिभाषक प्रामो ने प्राकृति  
पत्र में अंकित तथ्यों की दृष्टि से इस प्राकृति  
पत्र प्राकृति स्वीकार करने का निर्देश किया।

विधान अभिभाषक की सुनें की उपलब्ध  
पत्रावली में लखन राख अभिलेख यथा  
जमावकी लखन 2039-2032, 2051-2070, 2075-78  
मिजान सफल, तस्वीलदार वगान की रिपोर्ट  
व प्रामो राधेश कुमार हुए प्रस्तुत आधार का है।  
की इका प्रारि का गहरा है अलग डिग्री।  
जमावकी 2039-2032 में वाले राख लख 52  
में अधिक रकसरा नखान में जिधारी लाल व राधेश कुमार  
पिछरा राधेश का हि-वकर कोम सहजग काशी  
उकेल अधिक है। दोनों व-प्रवन्ध निमित्त  
जमावकी लखन 2051-2070 में लख लख  
पत्र में वाले रकसरा नखान में जिधारी लाल, राधेश  
कुमार पि. यादलाल का हि-वकर कोम लख वावकी  
उकेल दर मागिले हुआ है। यह अलग  
वदर वरिग जमावकी लखन 2075-2078  
वला कारण है।

अपण्ड अभि  
नयान (वदर)

11/11/2021

ता.संख

हुक्म

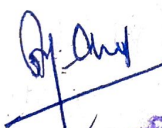
२००१२२

यही यह सत्य है कि दोनो प्र-प्रबन्ध विभाग द्वारा प्राप्ति के विना का नाम रखने के स्थान पर चादर के हुका है जिसे पुनः किया जाना उचित है।

आदेश -

अतः प्राप्ति पत्र प्राप्ति स्वीकार किया जाय है। तदनुसार वधान को आदेशित किया जाय है कि ग्राम युक्त्यान्वी तदनुसार वधान के वर्तमान जमावन्दी सन्वत् २०२५-२० के खाता संख्या ५० में अतिरिक्त खर्च के अन्वय में प्राप्ति विधायी लाल, रविशं कुमार पुत्रान चादर के स्थान पर खर्च पुनः करें। निर्णय की हुका पूर्ण तदनुसार वधान को पालनाय भेजी जावे। शेष कर्तव्य कदाचित् ही प्रमाण के लिये पुनः हीनर बाद-तकाल कार्यालय पत्र है।

निर्णय आज दिनांक २३/१२/२०२१ को मेरे द्वारा लिखाया जाकर सुले न्यायालय सुनाया गया।

  
उपलब्ध अधिकारी  
वधान (भारतपुर)